“इसके पहले कि आप आज अपना सुबह का नाश्ता समाप्त करते हैं आप आधी दुनिया पर निर्भर करते हैं। इसी तरह से हमारे ब्रह्मांड की संरचना हुई है? हम तब तक इस पृथ्वी पर शांति नहीं प्राप्त कर सकते हैं जब तक की हम इस बुनियादी तथ्य को मान्यता नहीं दे देते हैं“
मार्टिन लूथर किंग जूनियर

-

विकलांगों की सेवा करने के लिए रोजगार को अधिकतम सीमा तक बढ़ाना

एमईएसएच का उचित व्यापार तथ्य पत्रक

आर्थिक रूप से हाशिये पर खड़े उत्पादकों के लिए अवसर पैदा करना:

उचित व्यापार के गरीबी कम करने के लक्ष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा गरीबी में रहने वाले लोगों को अवसर दिलवाना है जिससे वे कौशल सीख सकें,अपना कारोबार शुरू कर सकें और मार्किट तक पहुँच बना सकें व इसके फलस्वरूप उन्हें काम व आय प्रदान करना है। इस आय से स्थानीय समुदाय को सुरक्षा व विकास की प्राप्ति होती है।

इस सिद्धान्त को हासिल करने के लिए हाशिये पर खड़े उत्पादकों के साथ मिलकर काम करना होगा जिससे ऐसे अवसर पैदा किए जा सकें जिनसे वे स्थायी तौर पर गरीबी से बाहर निकल सकें।

हमारे उत्पादक समूहों में से एक ब्लू मैंगो ट्रस्ट तमिल नाडु में महिलाओं के लिए एक सामाजिक उद्यम है। ब्लू मैंगो का उद्देश्य हाशिये पर खड़ी महिलाओं के लिए और उनके द्वारा सतत व्यवसाय चलाना है जो विकलांग, परित्यक्त अथवा विधवा हैं या जो एड्स से पीड़ित हैं। ऐसे संबल प्रदान करने वाले बुनियादी ढांचे के द्वारा जो महिलाओं को वित्तीय स्थायित्व और आत्म-निर्भरता प्राप्त करने में मदद करता है,यह उम्मीद की जा सकती है कि ब्लू मैंगो के कारण कलंकित समझे जाने वालों को समाज में उनके बड़े समुदायों द्वारा अधिक सम्मान और सहारा मिलेगा।

हाशिये पर खड़े उत्पादक इनमें से कोई भी हो सकते हैं- पारिवारिक व्यवसाय चलाने वाले, ऐसा समूह जो हानियों के अनुभवों को साझा करता हो, कारीगरों का समूह या कोई किसानों का सहकारी उपक्रम। इन उचित व्यापार उपक्रमों का मुख्य लक्ष्य इससे जुड़े लोगों के लिए आर्थिक आत्म-निर्भरता, सुरक्षा व स्वामित्व का सृजन

करना है। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि उचित व्यापार उद्यम के पास कार्रवाई की उचित योजना हो।

उत्पादक समूहों को सिद्धान्त एक के अनुसार निम्न बिन्दुओं के आधार पर निगरानी में रखा जाता है:

अनुपालन के मानदंड	संकेतांक जिनका पालन आप कर रहे हैं :
संगठन के पास मिशन/उद्देश्य या नीतिगत दस्तावेज़ हैं जो हाशिये पर खड़े उत्पादकों व आपूर्तिकर्ताओं की सामाजिक व आर्थिक स्थिति में सुधार लाने की संगठनात्मक प्रतिबद्धता को व्यक्त करते हैं।	उत्पादक समूह के पास मिशन बयान होना चाहिए जिसमें यह बताया गया हो कि वे हाशिये पर खड़े /वंचित लोगों के उद्धार के लिए कार्य करते हैं। उदाहरण के लिए: विकलांगों व कुष्ठ रोग से पीड़ित लोगों के लिए अवसर प्रदान करने के लिए व व्यापार के माध्यम से सामाजिक आर्थिक एकीकरण प्राप्त करने के लिए।
उत्पादक समूह मुख्य रूप से सामाजिक व आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों के साथ कार्य व व्यापार करता है या फिर अपने व्यापार के केंद्रीय हिस्से के रूप में हाशिये पर खड़े समूहों पर सकारात्मक प्रभाव दर्शाता है।	उदाहरण के लिए: यदि उत्पादक समूह के पास ऐसा कानून या नीति हो कि वे संगठन में 50% या उससे अधिक ऐसे सदस्य बनाएँ जो विकलांग हों।
संगठन अपनी प्रतिबद्धता को अपने कार्य व व्यापारिक गतिविधियों के माध्यम से दर्शाता है जिससे वंचित उत्पादक समूहों,उत्पादकों व उचित व्यापार के आपूर्तिकर्ताओं की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाया जा सके।	उदाहरण के लिए: • उत्पादक समूह द्वारा किए जा रहे कार्य के प्रभाव को रिपोर्ट व दस्तावेज़ों द्वारा दिखाया जा सकता है। • ऐसे दस्तावेज़ जैसे बिक्री रिपोर्ट,लाभ व सुविधाएं जो कारीगरों को प्रदान किए गए हों व जिनका उनकी ज़िंदगी पर प्रभाव पड़ा हो ।
उचित व्यापार समूह एक अद्यतनित रजिस्टर रखता है जिसमें उसके कारीगरों व उचित व्यापार आपूर्तिकर्ताओं के बारे में बुनियादी जानकारी दी होती है। इस जानकारी में कारीगर के प्रकार की प्रोफाइल,स्थान,संपर्क व्यक्ति और उनकी सामाजिक-आर्थिक जानकारी शामिल हो सकती है।	उदाहरण के लिए: • कारीगरों की प्रोफाइल पत्रिका का सृजन - आयु,परिवार,पते के विवरण के साथ। • आपूर्तिकर्ताओं की सूची व खरीददारी के बिलों के रिकार्ड रख कर

संदर्भ:

http://www.fairtradeprinciples.org/create-opportunities-for-marginalized-producers/
http://www.fta.org.au/fair-trade-movement/principle-one-opportunities-for-economically-marginalised-producers

शुभेच्छा के साथ
एमईएसएच